॥ श्री वीतरागाय नमः ॥

महावीरजी - - - -
स्वाध्याय

श्री योगीन्दुदेव विरचित

श्री परमात्म प्रकाश

एवं

श्री समंतभद्राचार्य विरचित

बृहद् स्वयंभू स्तोत्र

प्रेरक :

उग्रतपस्वी, चारित्र-विभूषण, परम पूज्य

श्री १०८ श्री विवेकसागरजी महाराज

संपादक :

सिद्धांतभूषण, विद्याभूषण ब्र० पं० विद्याकुमार सेठी

न्याय-काव्य-तीर्थ, कुचामन सिटी

डॉ० यतीन्द्रकुमार जैन शास्त्री, आगरा

प्रकाशक :

श्री दिगम्बर जैन समाज

कुकनवाली (राजस्थान)

प्रथमावृत्ति

१०००

मूल्य

स्वाध्याय व

आत्मचिन्तन